Unit - II

i) प्राचीन शिक्षण विधियों में क्या दोष थे ? तथा आदर्श गणित शिक्षण विधियों की विशेषताओं का उल्लेख करें।

ii) आगमन एवं निगमन विधियों की तुलनात्मक समीक्षा कीजिए।

iii) गणित में अभ्यास कार्य के महत्व को विस्तार से समझाइये।

iv) गणित शिक्षण की विश्लेषण एवं संश्लेषण विधियों का तुलनात्मक समीक्षा कीजिए।

v) <u>संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए</u>

i) ब्लूम का वर्गीकरण

ii) गणित शिक्षण के मौखिक कार्य

iii) गणित शिक्षण के गृह कार्य

iv) प्रयोगशाला तथा प्रदर्शन विधि में

Unit - I

i) गणित का अर्थ, प्रकृति एवं महत्व विस्तार से समझाइये।

ii) गणित के क्षेत्र में कुछ भारत के महान विभूतियों जैसे आर्यभट्ट, भास्कराचार्य लीलावती रामानुजम की जीवनी तथा कार्य क्षेत्र की विस्तृत विवेचना कीजिए। (किसी एक की)

iii) NCF 2005 के अनुसार गणित शिक्षण के रूचिकर बनाने हेतु दिये गये सुझावों का वर्णन करें।

Scanned by CamScanner

Unit - IV

i) सतत एंव व्यापक मूल्यांकन को समझाते हुए उसकी आवश्यकता एंव महत्व पर प्रकाश डाले।

ii) परीक्षण प्रणाली का विस्तारपूर्वक उल्लेख करे तथा निबंधात्मक प्रश्न की उपयोगिता पर प्रकाश डाले।

iii) मानसिक रूप से मन्द बुद्धि एंव मेधावी छात्रो के क्या लक्षण है? गणित पढ़ाने के लिए उनकी विधियों में क्या अन्तर होगा उदाहरण सहित स्पष्ट करे।

iv) गणित मे नैदानिक एंव उपचारात्मक शिक्षण से क्या समझते है विस्तार पूर्वक वर्णन करे।

Unit - V

i) गणित शिक्षण दृश्य - श्रव्य सहायक सामग्री की आवश्यकता, महत्व एंव इसके गुण दोषो का वर्णन कीजिए।

ii) गणित शिक्षण मे पाठ्य पुस्तक का क्या महत्व है? गणित की एक अच्छी पाठ्य पुस्तक की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

iii) संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिये।

i) दृश्य - श्रव्य सामग्री के प्रकार

ii) टेपरिकॉर्डर

iii) स्लाइड व प्रोजेक्टर

iv) गणित प्रयोगशाला

Scanned by CamScanner